कालेजों को प्रयोगात्मक परीक्षा का बनाना होगा वीडियो

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) से संबद्ध समस्त कैंपस परिसर, राजकीय, सहायता प्राप्त अशासकीय और स्ववित्तपोषित संस्थानों को पहली बार प्रयोगात्मक परीक्षा का वीडियो बनाना होगा, ताकि बिना प्रयोगात्मक परीक्षा कराए सीधे कापी पर नंबर देने वाले संस्थानों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। यूटीयू से संबद्ध सभी संस्थानों को 15 जून से पहले प्रयोगात्मक परीक्षाएं करानी होंगी।

यूटीयू के परीक्षा नियंत्रक डा. वीके पटेल ने समस्त कालेज के प्राचार्य/निदेशकों को इस आशय का पत्र जारी कर निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रयोगात्मक परीक्षा के लिखित एवं मौखिक रूप से आयोजित करने के दौरान दो से पांच मिनट का एक सूक्ष्म वीडियो बनाएं और उसे अपने यहां सुरक्षित रखें। इस वीडियो को सेमेस्टर की लिखित परीक्षा के अंकों के साथ यूटीयू के परीक्षा विभाग को उपलब्ध करवाना होगा। तभी छात्र का परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा।

विदित रहे कि यूटीयू प्रशासन ने इस बार परीक्षा से लेकर उपस्थिति तक में निजी कालेज स्तर पर होने वाले फर्जीवाड़े पर न केवल अंकुश लगाया, बल्कि इसे रोकने के लिए कड़े कदम भी उठाए हैं। पहले विवि ने 840 ऐसे छात्रों को सेमेस्टर परीक्षा में बैठने से रोकने के आदेश जारी किए, जिनकी उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम थी। इसके बाद सेमेस्टर परीक्षा में उड़नदस्तों ने 50 से अधिक नकलचियों को पकड़ा। अब प्रयोगात्मक परीक्षा कराए बगैर सीधे उत्तर पुस्तिका में नंबर चढ़ाने पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए प्रयोगात्मक परीक्षा का वीडियो बनाने के निर्देश दिए हैं। विवि से 80 कालेज संबद्ध हैं।

- **विवि प्रशासन ने प्रयोगात्मक परीक्षा में धांधली रोकने को उठाया सख्त कदम**
- **यूटीयू से संबद्ध सभी संस्थानों को 15 जून से पहले प्रयोगात्मक परीक्षाएं करानी होंगी**

यूटीयू का पठन-पाठन से लेकर परीक्षा, मूल्यांकन और प्रवेश समय पर और पारदर्शी हो, इसके लिए कई सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। सूचना मिला थी कि कुछ निजी संस्थान बिना प्रयोगात्मक परीक्षा कराए मनमाने तरीके से छात्रों को नंबर दे देते हैं। छात्रों को भी कालेज नहीं बुलाते हैं। जिससे निर्णय लिया गया कि प्रयोगात्मक परीक्षा का वीडियो बनाएं और उसे विवि को भेजें, ताकि छात्रों को पता चले कि लिखित परीक्षा की तरह प्रयोगात्मक परीक्षा भी महत्वपूर्ण होती है।

-प्रो. ओंकार सिंह, कुलपति यूटीयू